an>

Title: Need to establish Indian Institute of Management in Sambhaji Nagar, Maharashtra.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मेरे संसदीय क्षेत्र से संबंधित एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। अभी-अभी आदरणीय मंत्री जी भी यहाँ पर बैठी थीं, पर अभी वे चली गयी हैं। वित्त मंत्री जी ने इस वर्ष के बजट में देश के हर राज्य में एक-एक इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट की शाखा खोलने की बात कही थी। मैंने अपनी ओर से उसी समय आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आदरणीय स्मृति जी और सचिव को पत्र लिखा था कि मेरे संसदीय क्षेत्र औरंगाबाद के अंतर्गत जो सम्भाजी नगर है, वह एक इंडस्ट्रियल हब है, एजुकेशन हब है, टुरिज्म प्लेस है, महाराष्ट्र का टुरिज्म कैपिटल है और हमारा मराठवाड़ा का कैपिटल भी है। वहाँ पर दिल्ली-मुम्बई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का सेक्टर होने जा रहा है। हमारे यहाँ इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट की शाखा हो जाए, इसके लिए मैंने उन सभी को रिक्वेस्ट किया। मेरे पास आदरणीय प्रधानमंत्री जी और आदरणीय स्मृति जी का भी एक्नॉलेज़मेंट आया। हमारे यहाँ के चैम्बर ऑफ मराठवाड़ा इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर ने भी कई बार पत्र लिखे। मैं यह कहूंगा कि यह इतना महत्वपूर्ण विषय है, मराठवाड़ा के एजुकेशनल हब होने के कारण औरंगाबाद के सम्भाजी नगर में इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट की शाखा होनी चाहिए। वहाँ का इंडस्ट्रियल सैक्टर, जो और बढ़ रहा है, वहाँ के इंडस्ट्रियलिस्ट्स और बिज़नेसमेन ने रिक्वेस्ट किया कि हम लोग इसमें मदद करेंगे। इसके लिए वाटर एंड लैंड मैनेजमेंट एसोसिएशन (वाल्मी) संस्था वहाँ पर लैंड और इंफ्रास्ट्रक्चर भी देने के लिए तैयार है। दो सौ एकड़ लैंड भी देने को तैयार है। मैंने वहाँ के मुख्यमंत्री जी को भी कहा कि यह जो आई.आई.एम. का सैन्टर है, वह सम्भाजी नगर यानी हमारे औरंगाबाद में होना चाहिए। इस पर उन्होंने भी आश्वासन दिया, लेकिन अभी तक छः महीने हो गये। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से और सरकार से विनती करूँगा कि यह सैन्टर यहाँ पर खुल जाए।

माननीय अध्यक्ष : खैरे जी, हो गया, ज़ीरो आवर में ज्यादा नहीं बोलते हैं।

श्री चन्द्रकांत खैरे : कृपया महाराष्ट्र सरकार को कहा जाए कि अनाउंसमेंट हुए छः महीने हो गये हैं और अभी तक कोई एक्टिविटी नहीं है। हमारे यहाँ के सभी संगठनों ने, विद्यार्थियों ने, व्यापारियों ने, इंडस्ट्री वालों ने दो दिन का अनशन डिवीज़नल कमिश्नर ऑफिस के सामने किया था। मेरी नम्र विनती है कि मेरे संसदीय क्षेत्र में इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट की शाखा होनी चाहिए, यह मेरी मांग है।